Printed Pages – 4

I-294

B.Com. (Part-I) Examination, 2020

(Foundation Course)

Paper - I

HINDI BHASHA

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 75

Minimum Pass Marks : 25

नोट : सभी प्रश्न करना अनिवार्य है। अंक प्रश्न के समक्ष अंकित हैं।

Q. 1. (क) पारिभाषिक शब्द को पारिभाषित करते हुए उसकी विशेषताएँ बताइए। **10**

अथवा

अनुवाद का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसकी प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ख) निम्नलिखित किन्हीं पाँच शब्दों के हिन्दी पारिभाषिक शब्द लिखिए : **5**

(i) Agent

(ii) Cashier

(iii) Binder

(iv) Geologist

(v) Supervisor

(vi) Act

(vii) Cell

(viii) Satellite

Q. 2. (क) निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ स्पष्ट करते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए (कोई पाँच) : **5**

(i) अपने पैरों पर खड़ा होना

(ii) कमर कसना

(iii) दिन फिरना

(iv) लोहे के चने चबाना

(v) गागर में सागर भरना

(vi) काला अक्षर भैंस बराबर

(vii) चिकना घड़ा होना

(viii) घाव पर नमक छिड़कना

(ख) निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए (कोई पाँच) : **5**

(i) आकाश

(ii) कमल

(iii) तालाब

(iv) मछली

(v) सोना

(vi) जंगल

(vii) नदी

(viii) सूर्य

(ग) निम्नलिखित वाक्यांश के लिए एक-एक शब्द लिखिए (कोई पाँच) : **5**

(i) जो दिखाई न देता हो

(ii) जो जीता न जा सके

(iii) जिसकी उपमा न हो

(iv) दोपहर के बाद का समय

(v) जिसका कोई शत्रु न हो

(vi) जो कानून के विरुद्ध हो

(vii) बीता हुआ समय

(viii) जिसकी बाँह घुटनों तक हो

Q. 3. देवनागरी लिपि के प्रमुख गुण-दोष का वर्णन कीजिए। **15**

अथवा

मानक अमानक भाषा को समझाते हुए मानक भाषा के प्रमुख लक्षण बताइए।

Q. 4. जन सामान्य के लिए कम्प्यूटर टेक्नोलाजी के महत्त्व को बताते हुए भाषा से कम्प्यूटर की क्या अपेक्षाएं हैं ? **15**

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए :

(i) कम्प्यूटर और हिन्दी

(ii) सूचना प्रौद्योगिकी

(iii) इन्टरनेट

(iv) हिन्दी के पदनाम

Q. 5. (क) संक्षेपण करते समय जिन बातों से बचना चाहिए उनका उल्लेख कीजिए। **10**

अथवा

संक्षेपण से आप क्या समझते हैं, इसके लेखन की विधि का सम्यक् विवेचन कीजिए।

(ख) निम्नलिखित गद्यांश का उचित शीर्षक देकर सारांश लिखिए : **5**

जंगल में जिस प्रकार अनेक लता, वृक्ष और वनस्पति अपने अदम्य भाव से उठते हुए पारस्परिक सम्मिलन से अविरोधी स्थिति प्राप्त करते हैं, उसी प्रकार राष्ट्रीय जन अपनी संस्कृतियों के द्वारा एक-दूसरे के साथ मिलकर राष्ट्र में रहते हैं। जिस प्रकार जल के अनेक प्रवाह नदियों के रूप में मिलकर समुद्र में एक-रूपता प्राप्त कर लेते हैं, उसी प्रकार राष्ट्रीय जीवन की अनेक विधियाँ राष्ट्रीय संस्कृति में समन्वय प्राप्त करती हैं। समन्वययुक्त जीवन ही राष्ट्र का सुखदायी रूप है।